आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक
हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 221 | उज्जैन, मंगलवार 01 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

लाखों भक्तों की आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है श्री धूनी वाले दादा का मंदिर-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव खण्डवा में श्री दादाजी दरबार भूमि-पूजन महोत्सव में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि श्री धूनी वाले दादाजी मंदिर जिलेवासियों सहित निमाड़ क्षेत्र के भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यह केवल एक मंदिर नहीं लाखों भक्तों की आस्था एवं उनकी श्रद्धा का प्रतीक है। मंदिर निर्माण की कई बरसों पूर्व की कामना आज शिलान्यास के साथ पूर्ण हुई जो एक नए आध्यात्मिक युग का प्रारंभ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को खंडवा में आयोजित श्री दादाजी दरबार भूमि-पूजन महोत्सव में पहुँचकर समाधि के दर्शन और पूजन-अर्चन किया। उन्होने भव्य मंदिर निर्माण के लिए भूमि-पूजन

स्थल पर पुष्प अर्पित किए।

श्री धूनी वाले दादाजी मंदिर के भव्य निर्माण के लिए भूमि-पूजन वेद-ऋचाओं के उच्चारण के साथ संतों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्थानीय लोगों की उपस्थिति में हुआ। मुख्यमंत्री द्वारा समाधी स्थल पर पुष्प अर्पित मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री दादाजी दरबार में श्री बड़े और छोटे दादाजी महाराज की समाधियों के दर्शन कर पूजन अर्चन किया और धूनीमाई में आहूति अर्पित कर प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधी स्थल पर संतों की उपस्थिति में पुष्प अर्पित किये।

श्री धूनी वाले दादाजी का भव्य मंदिर निर्माण किया जाएगा श्री धूनी वाले दादाजी मंदिर का निर्माण 22 एकड़ भूमि पर 100 करोड़ की लागत से किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा जितना संभव हो उतना मंदिर का निर्माण कार्य किया जाए, उसके बाद शेष रहे कार्य का निर्माण शासन द्वारा किया जाएगा।

लोथल में गड्ढे में गिरकर शोध छात्रा की मौत मामले में समिति ने सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के लोथल में शोध कार्य के दौरान गड्ढे में गिरने से शोध छात्रा सुरभि वर्मा की मौत के मामले में आईआईटी दिल्ली की ओर से गठित समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। समिति ने हादसे के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है, बल्कि इसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना माना है।

समिति ने एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी बनाई है और ऐसे शोध कार्यों में दिशानिर्देश का पालन करने को कहा है। साथ ही फील्ड वर्क से पहले संस्थान, विभाग व स्वजन से अनुमति लेने के निर्देश दिए हैं। पिछले साल नवंबर में आईआईटी दिल्ली के पर्यावरण विज्ञान विभाग की छात्रा सुरभि वर्मा, प्रो. यामा दीक्षित के साथ गुजरात के लोथल में हड़प्पा कालीन क्षेत्र में शोध कार्य के लिए गई थीं।

मिट्टी ढहने और दबने से हुई थी मौत- इसके लिए उन्होंने 10 से 12 फीट का गड्ढा खोदा। मिट्टी का नमूना लेने जब सुरभि नीचे उतरीं तो मिट्टी ढह गई और दबने से उनकी मौत हो गई थी। समिति ने रिपोर्ट में कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं का जिक्र किया है, जिसमें कहा गया है कि यह खोदाई 10 फीट गहरी, पांच फीट चौड़ी और 10 फीट लंबी थी और जलोढ़ मैदान क्षेत्र में की जा रही थी।

अब एक क्लिक से एक्सेस कर सकेंगे सरकारी डेटा, सरकार ने लॉन्च किया GOI Stats एप

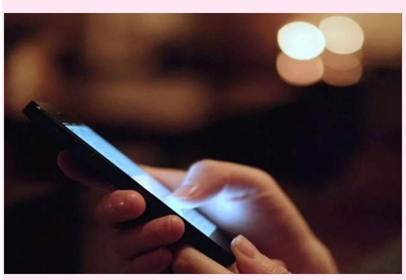

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब सरकारी डाटा कहीं से भी, कभी भी मोबाइल पर आसानी से मिल सकेगा। डाटा के लिए मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी। कुछ क्लिक कर आपको सारा डाटा मिल सकेगा। सरकार ने रविवार को जीओआई स्टैट्स मोबाइल एप लांच कर दिया।

इसके जरिये कुछ ही पलों में आसानी से आधिकारिक डाटा प्राप्त कर सकेंगे। यह एंड्रायड मोबाइल एप गूगल प्लेस्टोर पर निःशुल्क उपलब्ध है। आईओएस वर्जन जल्द ही जारी किया जाएगा। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसओ) ने सांख्यिकी दिवस 2025 पर यह मोबाइल एप्लिकेशन लांच किया।

आधिकारिक डाटा को सुलभ करने का प्रयास- यह पहल सभी नागरिकों के लिए आधिकारिक डाटा को सुलभ और यूजर अनुकूल बनाने की भारत की प्रतिबद्धता में मील का पत्थर है। यह एप सर्वव्यापी डाटा इकोसिस्टम बनाने के एनएसओ के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

भारत में समय से पहले मानसून भारी बारिश से बाढ़ और भूस्खलन का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून ने देशभर में समय से पहले दस्तक दे दी है। भारतीय मौसम विभाग ने बताया है कि मानसून पूरे भारत में 8 जुलाई की सामान्य तारीख से 9 दिन पहले ही पहुंच गया है।

जहां एक ओर यह किसानों के लिए राहत की खबर है, वहीं दूसरी ओर कई राज्यों में भारी बारिश ने बाढ़ और भूस्खलन जैसे खतरे बढ़ा दिए हैं। उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पहाड़ से मैदान तक बारिश की मार देखने को मिल रही है।

हिमाचल में मानसून का कहर- हिमाचल प्रदेश में मानसून की शुरुआत के साथ ही प्राकृतिक आपदाओं की खबरें आने लगी हैं। कुल्लू में 25 जून को बादल फटने की घटना के बाद फिर से सोलन जिले में भारी बारिश के कारण शिमला-कालका रेललाइन बाधित हुई है। भूस्खलन की वजह से राष्ट्रीय राजमार्गों पर भी यातायात रुका हुआ है। मंडी जिले में ब्यास नदी का जलस्तर खतरनाक स्तर तक बढ़ गया है। लारजी डैम की फ्लशिंग के कारण पंडोह डैम के सभी पांच गेट खोल दिए गए हैं। डैम में 44,000 क्यूसेक पानी प्रति सेकंड आ रहा है और उतनी ही मात्रा में छोड़ा जा रहा है। प्रशासन ने लोगों को नदी-नालों से दूर रहने की चेतावनी दी है।

हथियार छोड़ दें और मुख्य धारा में शामिल हों माओवादी- अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने माओवादियों से किसी भी तरह की बातचीत की संभावना से इनकार करते हुए कहा कि प्रतिबंधित संगठन के सदस्यों को हथियार छोड़ देना चाहिए, पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर देना चाहिए और मुख्यधारा में शामिल हो जाना चाहिए। रविवार को तेलंगाना के निजामाबाद में हल्दी बोर्ड के राष्ट्रीय मुख्यालय का उद्घाटन करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अभी भी ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठा रहे हैं। उन्हें इस ऑपरेशन की प्रभावशीलता को समझने के लिए पाकिस्तान की (खराब) हालत देखनी चाहिए।

अमित शाह ने क्या कहा- शाह ने कहा, कांग्रेस केंद्र सरकार से माओवादियों से चर्चा करने के लिए कहती है। मगर, हमारी सरकार की स्पष्ट नीति हथियार रखने वालों से कोई बातचीत नहीं करने की है। हथियार छोड़ो, आत्मसमर्पण करो और मुख्यधारा में शामिल हो जाओ।

गृह मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर में करीब 10,000 लोगों ने हथियार छोड़ दिए और मुख्यधारा में शामिल हो गए। उन्होंने तालुक स्तर से लेकर राज्य विधानसभाओं तक के पदों के लिए हुए चुनावों में भी भाग लिया। इसी तरह, पिछले डेढ़ साल में 2,000 से अधिक माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है।

उन्होंने दो टूक कहा, हथियार छोड़ो और आत्मसमर्पण करो। अगर आप आत्मसमर्पण नहीं करते हैं तो हमने तय किया है कि 31 मार्च, 2026 से पहले इस देश से माओवादियों का सफाया हो जाएगा।

2003 की मतदाता सूची जल्द ही होगी अपलोड, बिहार चुनाव से पहले इलेक्शन कमीशन का बड़ा फैसला

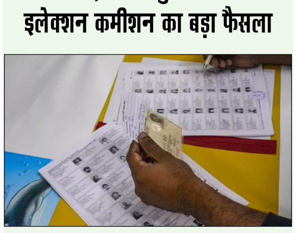

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग जल्द ही 2003 की बिहार की मतदाता सूची को अपनी वेबसाइट पर अपलोड करेगा ताकि लगभग 4.96 करोड़ मतदाता जिनके नाम इसमें शामिल हैं, वे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए नामांकन प्रपत्र के साथ संलग्न करने के लिए अपने नामों से सबंधित हिस्से को निकाल सकें। विपक्षी दलों द्वारा संशोधन प्रक्रिया पर सवाल उठाए जाने के बीच, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अयोग्य व्यक्ति इसमें शामिल न हो।

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील की शर्तें हो गई तय, इस तारीख तक आ सकती है खुशखबरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की शर्तें तय हो गई हैं। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक इस व्यापार समझौते की घोषणा 8 जुलाई तक की जा सकती है। इंडिया टुडे ने सूत्रों का हवाला देते हुए बताया है कि दोनों पक्षों के बीच सभी शर्तों को लेकर सहमति बन गई है।

इस बीच वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में एक भारतीय दल बातचीत और समझौते को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार को अमेरिका के दौरे पर पहुंचे हैं। इस बातचीत के बाद ट्रंप द्वारा टैरिफ लागू करने के लिए दिए गए 90 दिनों के डेडलाइन के खत्म होने से पहले भारत अमेरिका के साथ बड़ा समझौता कर सकता है।

गौरतलब है कि ट्रंप ने अमेरिका के लिए मुक्ति दिवस की घोषणा करते हुए भारत समेत दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर पारस्परिक शुल्क लगाने की घोषणा की थी। हालांकि बाद में ट्रंप ने इस फैसले पर रोक लगाते हुए इन देशों को 90 दिनों की मोहलत दी थी। इस दौरान ट्रंप का उद्देश्य अन्य देशों द्वारा अमेरिका पर लगाए जाने वाले शुल्कों को घटाने पर मजबूर करना और कुछ अच्छे व्यापार सौदे करना है, जिससे अमेरिका को लाभ हो सके।

इससे पहले ट्रंप ने भी भारत संग जल्द ही ट्रेड डील फाइनल होने के संकेत दिए थे। ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ एक बड़ा व्यापार समझौता हो सकता है। ट्रंप ने चीन संग व्यापार समझौते को लेकर भी अच्छी प्रतिक्रिया दी है। हालांकि कई देशों के साथ अमेरिका ने बातचीत बंद कर दी है। इसके बाद इन देशों को ट्रंप के टैरिफ से रियायत मिलने की उम्मीद कम है।

प्रेमी के किए दो टुकड़े... रियलिटी शो स्टार ने अपने ही ब्वॉयफ्रेंड का किया कत्ल, पुलिस अब भी तलाश रही सिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की मशहूर रियलिटी टीवी स्टार तमिका सुएन-रोज़ चेसर पर अपने बॉयफ्रेंड जूलियन स्टोरी की बेरहमी से हत्या का आरोप लगा है। 34 साल की तमिका पर आरोप है कि उसने 39 साल के जूलियन की जान ली और उनका सिर कटा शव दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के पोर्ट लिंकन में उनके घर में मिला। टेलीग्राफ की खबर के मुताबिक, 19 जून को एक छोटी सी आग लगने की जानकारी पर पुलिस पहुंची तो वहां का मंजर दिल दहलाने वाला था।

पुलिस ने तमिका को गिरफ्तार कर लिया और हत्या का मुकदमा दर्ज किया। जांच में पता चला कि जूलियन का सिर अभी तक नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि हत्या 17 जून की आधी रात को हुई होगी।

पुलिस ने बताया, ÷जूलियन का शव टुकड़ों में बंटा हुआ था और उनका सिर गायब था। हमने तलाशी की, मगर सिर अब तक नहीं मिला।

यह मंजर पुलिस और आपातकालीन कर्मियों के लिए भी चौंकाने वाला था। एक गवाह ने बताया कि उसने अपार्टमेंट से धुआं निकलते देखा और तमिका से बात की, मगर उसने कुछ नहीं होने की बात कही। फिर वो अपने तीन कुत्तों को लेकर टहलने निकल गई और दरवाजा बंद कर लिया।

जूलियन के परिवार में पसरा मातम- जूलियन के परिवार ने बयान दिया, हम एक ऐसी त्रासदी से गुजर रहे हैं, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।÷उन्होंने पुलिस और आपातकालीन कर्मियों का शुक्रिया अदा किया और कहा, ÷हमारे दोस्तों और इस समुदाय की दुआओं और साथ ने हमें हिम्मत दी है। पुलिस का कहना है कि तमिका को अपार्टमेंट के पीछे बेसुध हालत में पाया गया।

अमेरिकी हमले में हमारा कुछ नहीं बिगड़ा..., ईरानी अधिकारियों की सीक्रेट बातें हुई लीक, तो ट्रंप प्रशासन की उड़ी नींद

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच का तनाव अब भी सुलग रहा है। इस बीच वाशिंगटन पोस्ट की ताजा रिपोर्ट ने एक बार फिर सनसनी मचा दी है।

अखबार ने खुलासा किया है कि ईरान की सीक्रेट बातचीत में अमेरिकी हमलों से हुए नुकसान को कमतर बताया गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने इंटरसेप्ट किए गए जानकारी में सुना कि ईरानी अधिकारी आपस में न्यूक्लियर हमलों को लेकर बात कर रहे थे।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरानी अधिकारी आपस में बात करते हुए कह रहे थे कि अमेरिकी हमलों में उन्हें बहुत खास नुकसान नहीं हुआ है। चार सूत्रों ने अमेरिकी सरकार में के भीतरखाने चल रहीं खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को हुए नुकसान को छिपाने की कोशिश कर रहा है। रॉयटर्स ने एक गुमनाम सूत्र के हवाले से बताया कि ईरानी अधिकारियों की बातों पर भरोसा करना मुश्किल है। उन्होंने इन गुप्त बातचीत को अविश्वसनीय बताया और कहा कि ये सही तस्वीर नहीं पेश करतीं हैं।

क्या वाकई खत्म हुआ ईरान का परमाणु सपना- वाशिंगटन पोस्ट की यह रिपोर्ट उन सवालों को और हवा दे रही है जो ईरान के परमाणु कार्यक्रम को हुए नुकसान के बारे में उठ रहे हैं। डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी की एक लीक हुई शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, इन हमलों से ईरान का परमाणु कार्यक्रम सिर्फ कुछ महीनों के लिए पीछे धकेला है।दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि इन हमलों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह तबाह कर दिया है। लेकिन अमेरिकी अधिकारी मानते हैं कि नुकसान का सटीक आकलन करने में अभी भी वक्त लगेगा।

बम पहाड़ को मक्खन की तरह चीर गया, ट्रंप ने बताया B-2 स्टील्थ फाइटर ने ईरान में कैसे मचाई तबाही

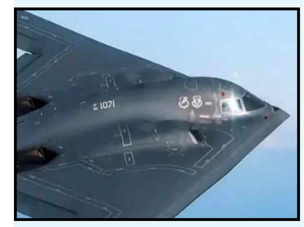

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक साक्षात्कार में दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले फोर्डो न्यूक्लियर फैसिलिटी को अपने बम हमले से पूरी तरह नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी B-2 स्टील्थ फाइटर विमानों से गिराए गए बंकर-बस्टर बम इतने शक्तिशाली थे कि वे ईरान की पहाड़ी सुरंगों और सुरक्षा को ऐसे भेद गए जैसे मक्खन में चाकू।

ऑपरेशन मिडनाइट हैमर- डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि 22 जून को किए गए हमले को ऑपरेशन मिडनाइट हैमर नाम दिया गया था। इस ऑपरेशन में ईरान की तीन परमाणु साइट्स, फोर्डो, नतांज और इस्फहान को निशाना बनाया गया। ट्रंप ने कहा कि इन हमलों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को दशकों पीछे धकेल दिया है।

फोर्डो को ईरान की सबसे गोपनीय और सुरक्षित परमाणु साइट माना जाता है, जिसे एक पहाड़ के अंदर बनाया गया था ताकि इसे हवाई हमलों से बचाया जा सके। लेकिन ट्रंप के मुताबिक, अमेरिकी बम इस सुरंग को भी चीरते हुए अंदर तक पहुंच गए और पूरा ढांचा हजारों टन चट्टानों में तब्दील हो गया।

अल उदैद एअरबेस पर ईरान का हमला कैसे हुआ नाकाम? जानें कतर ने कैसे की अमेरिका की मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। 23 जून को कतर स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे अल उदैद एअरबेस पर ईरान द्वारा दागी गई मिसाइलों को कतर ने सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। यह हमला अमेरिका द्वारा ईरानी परमाणु ठिकानों पर की गई जवाबी कार्रवाई के बाद हुआ और इसे ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच एक बड़ा मोड़ माना जा रहा है।

हालांकि हमले का पैमाना बड़ा था, लेकिन कतर और अमेरिका की त्वरित और समन्वित कार्रवाई के चलते जान-माल का कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। 159 अमेरिकी और कतर सैनिकों की सतर्कता से भारी तबाही टाल दी गई।

कतर की अगुवाई में हुआ अभियान- सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, शाम 7 बजे कतर की सैन्य निगरानी प्रणाली ने ईरान से दागे गए मिसाइलों का पता लगाया, जो अल उदैद एयरबेस की ओर बढ़ रहे थे। ब्रिगेडियर जनरल जासिम अल अंसारी के अनुसार, यह ऑपरेशन कतर की अगुवाई में हुआ, लेकिन अमेरिकी बलों के साथ मिलकर इसे अंजाम दिया गया।

गूगल, अमेजन और मेटा पर पड़ेगा असर, ट्रंप ने कनाडा के टैक्स लगाने पर उठाया बड़ा कदम; बोले- अब बात ही नहीं करेंगे....

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि कनाडा के साथ व्यापारिक बातचीत तब तक रुकेंगी, जब तक वह कुछ खास टैक्स हटाने पर राजी नहीं होता। यह बयान ट्रंप ने फॉक्स न्यूज के प्रोग्राम संडे मॉर्निंग फ्यूचर्स विद मारिया बार्टिरोमो में दिया।

ट्रंप ने कहा है कि कनाडा के डिजिटल सेवा टैक्स से गूगल, अमेजन और मेटा सरीखे कंपनियों पर असर पड़ेगा। इसी इंटरव्यू में ट्रंप ने यह भी खुलासा किया कि टिकटॉक के लिए उन्होंने एक खरीदार ढूंढ लिया है, जो कई अमीर लोगों का समूह है। उन्होंने कहा कि इस समूह का नाम वह तकरीबन दो हफ्तों में जाहिर करेंगे।

कनाडा को ट्रंप की चेतावनी- इससे पहले, शुक्रवार को ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ पर कनाडा के डिजिटल सेवा कर को अमेरिका पर साफ और खुला हमला करार दिया था। उन्होंने ऐलान किया था कि इस टैक्स की वजह से कनाडा के साथ सारी व्यापारिक वार्ताएं फौरन बंद की जा रही हैं। साथ ही, उन्होंने चेतावनी दी कि अगले सात दिनों में कनाडाई सामानों पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा की जाएगी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अभी तक इस मसले पर कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि, उनकी सरकार ने डिजिटल सेवा कर को लागू करने का बचाव किया है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अभी तक इस मसले पर कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि, उनकी सरकार ने डिजिटल सेवा कर को लागू करने का बचाव किया है।

अल्लाह के दुश्मनों को तबाह करेंगे, ईरानी मौलवी ने ट्रंप और नेतन्याहू के खिलाफ जारी किया मोहारेबेह फतवा, क्यों है खतरनाक?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के सबसे बड़े शिया धर्मगुरु ग्रैंड अयातुल्लाह नासेर मकारेम शिराज़ी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ एक सख्त फतवा जारी किया है। इस फतवे में दोनों नेताओं को खुदा का दुश्मन करार देते हुए दुनिया भर के मुसलमानों से एकजुट होकर इनका तख्ता पलट करने की अपील की गई है।

यह फतवा ईरान की इस्लामी हुकूमत के खिलाफ धमकियों के जवाब में आया है, जिसने हाल ही में इजरायल और अमेरिका के साथ 12 दिन की जंग लड़ी। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, अयातुल्लाह मकारेम ने कहा, ÷जो भी शख्स या हुकूमत हमारे रहनुमा या मारजा (धर्मगुरु) को धमकी दे, उसे मोहारेबेह (खुदा के खिलाफ जंग करने वाला) समझा जाएगा।÷

ईरानी कानून के तहत मोहारेह को मौत की सजा, सूली, अंग-भंग या देशनिकाला जैसी सजा दी जा सकती है।

मुसलमानों से एकजुट होने की अपील - फतवे में कहा गया है कि इन दुश्मनों को उनके बयानों और गलतियों पर पछतावा कराना हर मुसलमान का फर्ज है।

इसमें यह भी जोड़ा गया कि किसी भी मुस्लिम देश या शख्स का इन दुश्मनों का साथ देना हराम है। फतवे के मुताबिक, अगर कोई मुसलमान इस कथित जिहाद में मुश्किलों का सामना करता है या नुकसान उठाता है, तो उसे खुदा की राह में लड़ने वाले की तरह जन्नत में इनाम मिलेगा।

भारत-UAE के संबंधों को मजबूती, वीजा ऑन अराइवल सुविधा में हुआ विस्तार; भारतीय यात्रियों को बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय नागरिकों के लिए यात्रा अब और आसान हो गई है। नई दिल्ली स्थित यूएई दूतावास ने यह जानकारी दी है कि भारतीयों के लिए वीजा ऑन अराइवल सुविधा का विस्तार किया गया है।

अब वे भारतीय नागरिक, जिनके पास ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जापान, न्यूज़ीलैंड, कोरिया और सिंगापुर का वैध निवास परमिट है, यूएई के सभी प्रवेश बिंदुओं पर वीजा ऑन अराइवल प्राप्त कर सकते हैं। यह नई सुविधा 13 फरवरी 2025 से लागू की गई है।

पहले से मौजूद नियमों में हुआ विस्तार

इस नए बदलाव से पहले, भारतीय नागरिकों को यूएई में वीजा ऑन अराइवल सिर्फ तभी मिलता था जब उनके पास अमेरिका, यूरोपियन यूनियन या यूनाइटेड किंगडम का वैध वीजा, निवास परमिट या ग्रीन कार्ड हो। अब इस सूची में छह और देश जोड़ दिए गए हैं, जिससे भारतीय यात्रियों के लिए यूएई की यात्रा और भी सुगम हो गई है। यूएई सरकार का कहना है कि आसान और खुला यात्रा प्रबंधन दो देशों के बीच मानवीय रिश्तों को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाता है। खासकर भारत और यूएई जैसे आर्थिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक रूप से जुड़े देशों के लिए यह पहल विश्वास और सहयोग का प्रतीक है।

दलाई लामा के 90वें जन्मदिवस पर हो सकती है अगले उत्तराधिकारी की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा के उत्तराधिकारी का नाम जल्द ही सामने आ सकता है। 14वें दलाई लामा के 90वें जन्मदिन पर उत्तराधिकारी की घोषणा के कयास लगाए जा रहे हैं। 6 जुलाई को दलाई लामा 90 साल के पूरे हो जाएंगे। धर्मशाला के मैकलोडगंज में उनके लिए तीन दिवसीय जन्मदिन समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जिसपर चीन की नजरें भी टिकीं हुई हैं।

केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के कई बड़े नेता दावा कर चुके हैं कि 90वें जन्मदिन पर दलाई लामा अपने उत्तराधिकारी का एलान कर सकते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी कैसे चुना जाता है?

पुनर्जन्म की मान्यता- तिब्बती बौद्ध धर्म में दलाई लामा चुनने की प्रथा सदियों पुरानी है। यह परंपरा पुनर्जन्म के सिद्धांत पर आधारित है। तिब्बत में ऐसी मान्यता है कि दलाई लामा दोबारा जन्म लेते हैं और एक नया रूप धारण करके अपना पद भार संभालते हैं।

कैसे मिलते हैं नए दलाई लामा- तिब्बती मान्यता के अनुसार, दलाई लामा की मृत्यु के 9 महीने बाद जन्में बच्चे को ढूंढा जाता है या फिर दलाई लामा अपनी मृत्यु से पहले कुछ संकेत देते हैं ,जिसकी मदद से नए दलाई लामा को खोजा जाता है। नए दलाई लामा की खोज कई सालों तक भी चल सकती है।

आमतौर पर नए दलाई लामा को पुराने दलाई लामा की कुछ चीजें दिखाई जाती हैं, जिन्हें पहचानने वाले बच्चे को ही नया दलाई लामा बनाया जाता है। इसके बाद उन्हें कुछ सालों की शिक्षा दी जाती है और परीक्षा के सभी पड़ावों को पार करने के बाद उन्हें दलाई लामा बनाने की घोषणा की जाती है।

एअर ट्रैफिक ज्यादा होने से हैदराबाद की बजाय विजयवाड़ा पहुंची इंडिगो की फ्लाइट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6E-6473, जो रविवार सुबह पुणे से हैदराबाद के लिए रवाना हुई थी, उसे हैदराबाद एयरस्पेस में अधिक भीड़ होने के कारण विजयवाड़ा डायवर्ट कर दिया गया। यह फ्लाइट सुबह 8¬43 बजे पुणे एयरपोर्ट से उड़ी थी।

कुछ देर बाद फ्लाइट को हैदराबाद की राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। एयर ट्रैफिक के सामान्य होने के बाद विमान ने दोबारा उड़ान भरी और दोपहर 12¬38 बजे हैदराबाद में सुरक्षित लैंडिंग की।

कोलकाता में इमरजेंसी लैंडिंग- दूसरी घटना एअर इंडिया की फ्लाइट AI357 से जुड़ी है, जो जापान के टोक्यो (हनैदा एयरपोर्ट) से दिल्ली जा रही थी। उड़ान के दौरान केबिन के अंदर लगातार गर्मी महसूस की गई, जिससे यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फ्लाइट को कोलकाता डायवर्ट कर दिया गया। एअर इंडिया की आधिकारिक जानकारी के अनुसार, फ्लाइट ने कोलकाता में सुरक्षित लैंडिंग की और फिलहाल विमान की जांच की जा रही है। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि कोलकाता में मौजूद एअरलाइन की ग्राउंड टीम यात्रियों को हर संभव सहायता प्रदान कर रही है।

150 से ज्यादा सांसद रूस के पैसे पर पलते थे, निशिकांत दुबे का कांग्रेस पर बड़ा आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पार्टी पर हमला बोला है। उन्होंने अमेरिकी खुफिया एजेंसी CIA के 2011 में जारी एक दस्तावेज का हवाला देते हुए दावा किया कि कांग्रेस के दिवंगत नेता हरिकिशन लाल भगत की अगुवाई में 150 से ज़्यादा कांग्रेस सांसदों को सोवियत रूस ने फंडिंग की थी।

बीजेपी नेता का कहना है कि ये सांसद रूस के एजेंट की तरह काम करते थे। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में इस दस्तावेज को साझा करते हुए कांग्रेस से जवाब मांगा है कि क्या इसकी जांच होनी चाहिए या नहीं।

निशिकांत दुबे ने यह भी आरोप लगाया कि उस दौर में रूस ने 16,000 खबरें छपवाकर भारत में अपनी पैठ बनाई थी। इसके साथ ही, रूसी खुफिया एजेंसी के 1100 लोग भारत में मौजूद थे। दावा किया गया कि ये खुफिया रूसी अधिकारी नौकरशाहों, कारोबारी संगठनों, कम्युनिस्ट पार्टियों और ओपिनियन मेकर को अपनी जेब में रखते थे।

पत्रकारों पर भी गंभीर आरोप- निशिकांत दुबे ने अपने पोस्ट में दावा किया कि उस वक्त कई पत्रकार भी रूस के एजेंट थे। उनके मुताबिक, सीआईए के दस्तावेज में 16,000 समाचार लेखों का जिक्र है, जो रूस ने भारत में छपवाए थे। ये लेख भारत की नीतियों और जनमत को प्रभावित करने के लिए इस्तेमाल किए गए।

लिव-इन पार्टनर ने कर दी महिला की हत्या, लाश को कचरे के ट्रक में फेंका; पुलिस ने कातिल को ऐसे दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु में एक सनसनीखेज वारदात ने दिल दहला दिया है। यहां एक महिला की लाश को बोरे में ठूंसकर कचरे के ट्रक में फेंका गया था। पुलिस की जांच में पता चला कि महिला की हत्या उसके लिव-इन-पार्टनर ने की थी। मृतका का नाम आशा था और हत्यारा मोहम्मद शमशुद्दीन अब पुलिस की गिरफ्त में है। यह खौफनाक घटना शहर के हुलिमावु इलाके में सामने आई है। दोनों इसी इलाके में साथ रहते थे।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और सबूतों की जांच के बाद 33 साल के मोहम्मद शमशुद्दीन को हत्यारा माना है। वह असम का रहने वाला है। उसने अपनी पार्टनर आशा को गला दबाकर मार डाला और लाश को बोरे में डालकर कचरे के ट्रक में फेंक दिया।

दोनों शादीशुदा...फिर भी रिश्ते में थे- आशा 40 साल की थी। वह एक विधवा थी और अर्बन कंपनी के साथ हाउसकीपिंग का काम करती थी। दूसरी तरफ मोहम्मद शमशुद्दीन भी शादीशुदा है और उसकी बीवी और दो बच्चे असम में रहते हैं। दोनों डेढ़ साल से लिव-इन रिलेशनशिप में थे और समाज में खुद को पति-पत्नी बताते थे। दोनों की अपनी-अपनी शादीशुदा जिंदगी थी, फिर भी वे बेंगलुरु के हुलिमावु में किराए के मकान में साथ रह रहे थे।

लेकिन इस रिश्ते में सब कुछ ठीक नहीं था। पुलिस के मुताबिक, आशा और शमशुद्दीन के बीच झगड़ा हुआ, जो इतना बढ़ गया कि बात हाथापाई तक पहुंची। गुस्से में आकर शमशुद्दीन ने आशा का गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

सीसीटीवी ने खोला राज, हत्यारा हुआ गिरफ्तार- कत्ल के बाद शमशुद्दीन ने लाश को ठिकाने लगाने की कोशिश की। उसने आशा की लाश को बोरे में डाला और बाइक पर ले जाकर कचरे के ट्रक में फेंक दिया। लेकिन उसकी यह चाल कामयाब नहीं हुई।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट रिवीजन पर चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले वोटर लिस्ट रिवीजन को लेकर सियासी बवाल मचा हुआ है। विपक्षी दल चुनाव आयोग के इस कदम का विरोध कर रहे हैं। इन सब के बीच चुनाव आयोग ने सोमवार (30 जून, 2025) को कहा कि इसके रिवीजन की जरूरत है, क्योंकि वोटर लिस्ट कई कारणों से बदलती रहती है और संविधान में ये सुनिश्चित करने का प्रविधान है कि केवल पात्र नागरिक ही मतदाता सूची का हिस्सा हों और जो पात्र नहीं हैं, उन्हें वोट देने का अधिकार नहीं है।

विपक्षी दलों का कहना है कि गहन पुनरीक्षण से राज्य मशीनरी का इस्तेमाल करके मतदाताओं को जानबूझकर बाहर करने का खतरा है। इस पर चुनाव आयोग ने बयान जारी करके कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण बेहद जरूरी है क्योंकि यह एक गतिशील सूची है, जो मौत, प्रवास की वजह से लोगों की शिफ्टिंग और 18 साल की उम्र पूरी कर चुके नए मतदाताओं के जुड़ने की वजह से बदलती रहती है।

संविधान का आर्टिकल 326 वोटर बनने के लिए पात्र बनाता है चुनाव आयोग ने कहा, ÷इन सब के अलावा, संविधान का अनुच्छेद 326 वोटर बनने के लिए पात्र बनाता है। केवल 18 साल की उम्र से ज्यादा के भारतीय नागरिक और उस निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य निवासी ही मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के पात्र हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि उसने बिहार की 2003 की मतदाता सूची अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दी है, जिसमें 4.96 करोड़ मतदाताओं का विवरण है। इसका इस्तेमाल 2003 की सूची में शामिल लोग अपना गणना फार्म जमा करते समय दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में कर सकते हैं।

तेलंगाना के संगारेड्डी में रिएक्टर ब्लास्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के संगारेड्डी में एक फार्मा कंपनी में बड़ा धमाका हो गया। फार्मा कंपनी में लगी आग इतनी भयानक थी कि कई लोग इसकी चपेट में आ गए। इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई है और 26 लोग घायल हैं।

तेलंगाना फायर अधिकारियों के अनुसार, यह धमाका मेडक के पसामैलाराम फेज 1 में स्थित सिगाची फार्मा कंपनी में हुआ। इस कैमिकल कंपनी में अचानक रिएक्टर ब्लास्ट हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही फायर विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है।

दूर तक दिखा धुएं का गुबार- हैदराबाद से महज कुछ ही दूरी पर स्थित इस कैमिकल फैक्ट्री में आज सुबह 9 बजे के आसपास तेज धमाका हुआ। धमाके के बाद पूरी फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। फैक्ट्री से उठ रहे धुएं के गुबार को दूर से ही देखा जा सकता था। इससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

आग की जानकारी मिलते ही फायर विभाग की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंची 8 लोगों की मौत की आशंका- पुलिस ने फौरन एंबुलेंस बुलाई और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हादसे के दौरान फैक्ट्री में मौजूद 6 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, अब यह संख्या बढ़कर 8 हो गई है। इसके अलावा फैक्ट्री में मौजूद 26 लोग घायल हैं।

बाल-बाल बचे कई लोग- स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे के समय कई कर्मचारी रिएक्टर के पास काम कर रहे थे। वहीं, धमाके के बाद आग पूरी फैक्ट्री में फैल गई, जिससे कई लोग अंदर ही फंस गए। इस फैक्ट्री में उत्तर प्रदेश और ओडिशा समेत कई राज्यों के कर्मचारी मौजूद थे। आग लगने के बाद ज्यादातर कर्मचारी बाहर निकलने में कामयाब रहे। हालांकि, इस दौरान कई लोग आग की लपटों में बुरी तरह झुलस गए हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण षष्ठमी

संपादकीय

कोकिला देवी का दरबार भक्त जनों के लिए माता भवानी की ओर से उनकी कृपा की अलौकिक सौगात...

सृष्टि में खूबसूरत मानवीय जीव की रचना कर रचनाकर्ता नें उसमें गुण और अवगुण रूपी दो गुलदस्ते भी जोड़े हैं और उनका चयन करने के लिए 84 लाख़ योनियों में सर्वश्रेष्ठ बुद्धि का सृजन मानवीय योनि में कर अपने भले बुरे सोचनें का हक उसी को दिया है,परंतु हम अपनीं जीवन यात्रा में देखते हैं कि मानवीय जीव अवगुण रूपी गुलदस्ते का चुनाव खुद कर उसमें ढल जाता है और अंत में दोष सृष्टि रचनाकर्ता को ही देता है कि मेरे जीवन को नरक बना दिया जबकि गलती मानवीय जीव की ही है कि उसने ही अपनी बुद्धि से उस अवगुण रूपी गुलदस्ते को चुना!मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि कहावत जब हम एक उंगली उठाते हैं, तो तीन उंगलियां हमारी ओर इशारा करती हैं अक्सर आत्म-चिंतन और जवाबदेही के विचार से जुड़ी होती है। यह वाक्यांश बताता है कि जब हम किसी और पर आरोप लगाते हैं या दोष देते हैं,तो हमको उस स्थिति में अपनी गलतियों या योगदानों पर भी विचार करना चाहिए।हालांकि इस कहावत की सटीक उत्पत्ति स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह विभिन्न सांस्कृतिक और दार्शनिक परंपराओं में पाए जाने वाले विषयों को समाहित करती है।यह प्रक्षेपण के बारे में मनोविज्ञान की अवधारणाओं के साथ संरेखित है, जहां व्यक्ति अपने अवांछनीय गुणों या व्यवहारों को दूसरों पर आरोपित करते हैं। उंगलियों की छवि यह दर्शाती है कि आलोचना अक्सर आलोचना के विषय की तुलना में आलोचक के बारे में अधिक दर्शाती है।इस वाक्यांश की खूबसूरती यह है कि यह किसी और को दोष देने के बजाय आत्मनिरीक्षण करने पर मजबूर करता है।यूं तो अवगुणों को सैकड़ों शब्दों, बुराइयों से पुकारा जाता है जिसमें आज हम निंदा बुराई, दूसरों पर उंगली उठाना इस अवगुण की चर्चा कर करेंगे आओ निंदा रूपी अवगुण त्यागने का संकल्प लें।हम खुद का आंकलन दूसरे से श्रेष्ठ करने की चूक से बचें स्वयं को छोटा कहलाने वाला व्यक्ति सबसे श्रेष्ठ गुणवान होता है। साथियों बात अगर हम निंदा की करें तो किसी ने खूब ही कहा है कि, संसार में प्रत्येक जीव की रचना ईश्वर अल्लाह ने किसी उद्देश्य से की है। हमें ईश्वर अल्लाह की किसी भी रचना का मखौल उड़ाने का अधिकार नहीं है।इसलिए किसी की निंदा करना साक्षात परमात्मा की निंदा करने के समान है।किसी की आलोचना से आप खुद के अहंकार को कुछ समय के लिए तो संतुष्ट कर सकते हैं किन्तु किसी की काबिलियत, नेकी, अच्छाई और सच्चाई की संपदा को नष्ट नहीं कर सकते। जो सूर्य की तरह प्रखर है, उस पर निंदा के कितने ही काले बादल छा जाएं किन्तु उसकी प्रखरता, तेजस्विता और ऊष्णता में कमी नहीं आ सकती।

साथियों बात अगर हम खुद का आंकलन दूसरों से सर्वश्रेष्ठ करने की करें तो, अपनी प्रशंसा तथा दूसरों की निंदा असत्य के समान है। जैसे हमारी आंखें चंद्रमा के कलंक तो देख लेती हैं , किंतु अपने काजल को नहीं देख पातीं। उसी प्रकार हम दूसरों के दोषों को देखते हैं , हालांकि खुद अनेक दोषों से भरे हैं। दूसरों में जो दोष दिखाई देते हैं , सचमुच उनका कारण हमारे अपने चित्त की दूषित वृत्तियां ही है। दूसरों की निंदा किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं होती।

इस संबंध में एक कवि ने लिखा भी है कि हमें परखने का तरीका नहीं है। कोई वरना दुश्मन किसी का नहीं है। निंदक को यह याद रखना चाहिए कि दुनिया तुझे हजारों आंखों से देखेगी , जबकि तू दुनिया को दो ही आंखों से देख सकेगा।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पृथ्वी पर मानवों का भगवान कहे जाने वाले चिकित्सकों को समर्पित है। अलग-अलग देशों में यह दिवस भिन्न-भिन्न तिथियों पर मनाया जाता है। भारत में चिकित्सक दिवस प्रतिवर्ष 1 जुलाई को मनाया जाता है। इस ख़ास दिन पर पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री बिधान चन्द्र राय को भी याद किया जाता है। बिधान चन्द्र राय देश के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ-साथ एक चिकित्सक भी थे। आज़ादी के बाद उन्होंने अपना सारा जीवन लोगों के लिए चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। बिधान चन्द्र राय की स्मृति में ही राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस भारत में 1 जुलाई को मनाया जाता है।

शुरुआत- चिकित्सकों का महत्त्व रेखांकित करने की आवश्यकता अमेरिका के जॉर्जिया निवासी डॉ. चार्ल्स बी आल्मोंद की पत्नी यूदोरा ब्राउन आल्मोंद ने महसूस की थी। उनके प्रयासों से ही पहली बार 30 मार्च, 1930 को अमेरिका में डॉक्टर्स डे (चिकित्सक दिवस) मनाया गया। इस दिन को मनाने के पीछे चिकित्सकों का दैनिक जीवन में महत्त्व बताने की भावना प्रमुख थी। इसके लिए 30 मार्च की तारीख़ इसलिए चुनी गई थी, क्योंकि जॉर्जिया में इसी दिन डॉ. क्राफोर्ड डब्ल्यू लोंग ने पहली बार ऑपरेशन के लिए एनेस्थीसिया का इस्तेमाल किया था। इसीलिए तब से चिकित्सक दिवस मनाने का चलन शुरू हो गया।

भारत में चिकित्सक दिवस- अलग-अलग देशों में चिकित्सक दिवस अलग-अलग तिथि को मनाया जाता है। भारत में 1 जुलाई का दिन चिकित्सकों के लिए समर्पित है। वर्ष 1991 से भारत में इस दिन को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत हुई थी। 1 जुलाई को देश के प्रख्यात चिकित्सक, स्वतंत्रता सेनानी और समाज सेवी डॉ. बिधान चन्द्र राय का जन्मदिन और पुण्य तिथि दोनों ही हैं। 1 जुलाई, 1882 को बिहार में जन्मे बिधान चन्द्र राय भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक अहम सिपाही रहे थे। आज़ादी के बाद उन्होंने अपना सारा जीवन अपने व्यवसाय यानि चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। पश्चिम बंगाल में अपने मुख्यमंत्री काल के दौरान उन्होंने कई अहम विकास कार्य किए। अपने अथक प्रयासों और समाज कल्याण के कार्यों के लिए उन्हें 1961 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया था। 1 जुलाई, 1962 को उनका निधन हुआ।

चिकित्सक का महत्त्व- चिकित्सक धरती पर भगवान का दूसरा रुप होता है। भगवान तो एक बार जीवन देता है, किंतु डॉक्टर हमारी अमूल्य जान को बार-बार बचाता है। दुनिया में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहाँ डॉक्टरों ने भगवान से भी बढ़कर काम किया है। बच्चे को जन्म देना हो या किसी वृद्ध को बचाना हो, चिकित्सक की मदद हमेशा मुसीबतों से मानव को बचाती है। यही एक ऐसा पेशा है, जहाँ दवा और दुआ का अनोखा संगम देखने को मिलता है, इंसान को भगवान भी यहीं बनाया जाता है। चिकित्सकों ने मानव जाति के लिए बहुत समर्पण किया है। यदि भारत की बात की जाए तो देखेंगे कि यहाँ आज भी चिकित्सकों और वैद्यों का विशेष आदर-सत्कार किया जाता है। आधुनिक युग में तो चिकित्सकों की मांग और भी बढ़ गई है। चिकित्सक के इसी समर्पण और त्याग को याद करते हुए 1 जुलाई का दिन भारत में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के रूप में मनाया जाता है। चिकित्सक दिवस मनाने का सबसे बड़ा महत्त्व यह है कि सभी चिकित्सक अपनी ज़िम्मेदारियों को समझें और लोगों के स्वास्थ्य से सम्बन्धित दुःख, तकलीफ और रोग आदि के प्रति सजग रहें।

जनता के विश्वास की डोर- वर्तमान में चिकित्सा ही एक ऐसा व्यवसाय है, जिस पर लोग विश्वास करते हैं। इसे बनाए रखने की जिम्मेदारी सभी चिकित्सकों पर है। चिकित्सा दिवस स्वयं चिकित्सकों के लिए एक महत्त्वपूर्ण दिन है, क्योंकि यह उन्हें अपने चिकित्सकीय प्रशिक्षण को पुनर्जीवित करने का अवसर प्रदान करता है। सारे चिकित्सक जब अपने चिकित्सकीय जीवन की शुरुआत करते हैं तो उनके मन में नैतिकता और ज़रूरतमंदों की मदद का जज्बा होता है, जिसकी वे कसम भी खाते हैं। इसके बाद भी कुछ लोग इस विचार से पथ भ्रमित होकर अनैतिकता की राह पर चल पड़ते हैं। चिकित्सक दिवस के दिन डॉक्टरों को यह मौका मिलता है कि वे अपने अंतर्मन में झाँके, अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को समझें और चिकित्सा को पैसा कमाने का पेशा न बनाकर, मानवीय सेवा का पेशा बनाएँ, तभी हमारा यह चिकित्सा दिवस मनाना सही और सार्थक सिद्ध होगा।

मान-सम्मान - भारत में बिधान चन्द्र राय के जन्म दिन पर हर वर्ष राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 1 जुलाई को मनाया जाता है, लेकिन इस परंपरा से परे अब चिकित्सा पेशे का वह पहले जैसा सम्मान नहीं रह गया है, साथ ही यह भी कहना होगा कि दूसरे पेशों का सम्मान भी समाज और देश में बढ़ते भ्रष्टाचार और मूल्यों में गिरावट के चलते कम हुआ है। चूँकि डॉक्टरी को लोग एक पेशे से परे ईश्वर की तरह का दर्ज़ा देते थे, इसलिए उससे अधिक निराशा होना भी स्वाभाविक था और उसकी बदनामी भी अधिक होनी थी। एक तरफ़ चिकित्सा के काम में नई तकनीक, उद्योग और बाज़ार के तौर-तरीक़ों के मुताबिक़ बड़ा पूंजीनिवेश और महंगा इलाज़, इन सबका आना और पैर जमाना हुआ, तो दूसरी तरफ़ इस पेशे से चिकित्सक और मरीज़ के इंसानी संबंध कुछ कमज़ोर हो गए। जब भी कोई पेशा कारोबार में तब्दील होता है तो उसके तरीक़े भी बदल जाते हैं। एक वक़्त आज़ादी की लड़ाई में बहुत छोटी-छोटी सी मशीनों पर मालिक-संपादक अख़बार निकालते थे और जेल जाते थे।

वे लौटकर आते थे और फिर सरकार के ख़िलाफ़ लड़ते थे और फिर जेल जाते थे। लेकिन अब अख़बार मीडिया हो गए, बड़े-बड़े कारोबार हो गए, और उनके नीति-सिद्धांत कमज़ोर हो गए। अब किसी बहुत बड़े और ताक़तवर के ख़िलाफ़ छपने की गुंजाइश कम रह गई है। यही हाल राजनीति और चुनाव के महँगे होते चले जाने से नेताओं का हो गया, इसलिए सिर्फ़ चिकित्सको को कोसने से बात न्यायसंगत नहीं कही जा सकती।

गरीबों का इलाज- वर्तमान में भारत में ग़रीबों के इलाज़ की हालत बहुत ख़राब है। पढ़े-लिखे चिकित्सक दूर-दराज के गाँवों तक जाना नहीं चाहते और जिस सरकारी नौकरी के लिए एक वक़्त हिन्दुस्तानी जनता पूजा-पाठ करती थी, वैसे सरकारी चिकित्सकों की कुर्सियाँ छोटे से छत्तीसगढ़ में सैकड़ों की संख्या में ख़ाली पड़ी हुई हैं। भारत में चिकित्सकों के संगठन और चिकित्सा-शिक्षा के लिए बनाई गई सरकारी संस्था, इन दोनों ने छत्तीसगढ़ में तीन साल की चिकित्सा-शिक्षा का घोर विरोध किया था और अदालत तक दौड़ लगाकर उस कोर्स को ख़ारिज़ करवाकर दम लिया था। लेकिन आज सरकारी चिकित्सा कॉलेजों की गिनी-चुनी सीटों के अलावा निजी मेडिकल कॉलेजों में दस-दस, बीस-बीस लाख रुपए का कालाधन देकर एक-एक बच्चे का दाख़िला होता है और लाखों रुपए साल की फ़ीस के दस बरसों बाद कोई पोस्ट ग्रेजुएट बनकर निकलता है। ऐसे चिकित्सक किस तरह गाँवों में या ग़रीबों के बीच जाकर काम कर सकते हैं? न तो उनके वक़्त की और न ही उनकी पूंजी की लागत निकलेगी। ऐसे में छत्तीसगढ़ में लगभग अशिक्षित या अल्पशिक्षित महिलाओं को मितानिन बनाकर कुल डेढ़ दर्जन दवाओं से रोज़मर्रा की तकलीफों का इलाज़ शुरू करवाकर इस राज्य ने गाँव-गाँव की तस्वीर बदल दी है। यहाँ के गाँवों में शिशु-मृत्यु दर इतनी गिर गई कि पूरी दुनिया ने इस मॉडल की तरफ़ उम्मीद की नजरों से देखना शुरू किया। ऐसे में चिकित्सा को सिर्फ़ एम.बी.बी.एस. चिकित्सकों का ही एकाधिकार बनाकर रखना ठीक नहीं है। लोकप्रिय हो गई एलोपैथिक पद्धति में तीन बरस का कोर्स दुबारा शुरू करना चाहिए, जो कि गाँव और ग़रीब के काम का रहेगा। एम.बी.बी.एस. चिकित्सकों को अपनी शहरी-संपन्न और कुलीन सोच को छोडक़र ग़रीबी की हक़ीक़त को देखना चाहिए।

मैक्सवोल्ट एनर्जी को उत्तर प्रदेश सरकार से बड़ी सौगात मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रीन एनर्जी और बैटरी टेक्नोलॉजी के क्षेत्र की कंपनी मैक्सवोल्ट एनर्जी को उत्तर प्रदेश सरकार से बड़ी सौगात मिली है। कंपनी को अलीगढ़ में लिथियम बैटरी रीसाइक्लिंग प्लांट के लिए जमीन आवंटन पत्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं प्रदान किया। यह ऐलान उत्तर प्रदेश ङ्क उद्यम प्रदेश कार्यक्रम के दौरान इंटरनेशनल एमएसएमई डे के अवसर पर लखनऊ स्थित लोक भवन सभा सागर में किया गया। बता दें कि मैक्सवोल्ट एनर्जी लिस्टेड कंपनी है। इसके शेयर की कीमत 207 रुपये है।

कंपनी ने अलीगढ़ में 23,524 वर्ग मीटर भूमि (करीब 5.81 एकड़) अधिग्रहित की है, जहां वह एक विश्व स्तरीय अत्याधुनिक लिथियम बैटरी रीसाइक्लिंग और रीपरपजिंग प्लांट की स्थापना करेगी। यह स्थान कंपनी के पहले से मौजूद गाजियाबाद स्थित मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के नजदीक है, जिससे संचालन और आपूर्ति श्रृंखला में बेहतर तालमेल बन सकेगा।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम- मैक्सवोल्ट एनर्जी के सीईओ सतेंद्र शुक्ला ने इस अवसर पर कहा, हमें सीएम योगी से यह जमीन आवंटन पत्र प्राप्त करके गर्व महसूस हो रहा है। यह पहल उत्तर प्रदेश में सर्कुलर बैटरी इकोनॉमी को स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। इससे न सिर्फ पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने में मदद मिलेगी, बल्कि स्थानीय रोजगार और नवाचार को भी बढ़ावा मिलेगा। कंपनी के को-फाउंडर और सीटीओ विशाल गुप्ता ने कहा कि, यह परियोजना न केवल मैक्सवोल्ट के लिए बल्कि भारत की हरित ऊर्जा आकांक्षाओं के लिए भी महत्वपूर्ण कदम है। हम भारत में बनी, मेंटेन की गई और फिर से उपयोग की जाने वाली बैटरियों का एक स्थायी इकोसिस्टम विकसित करना चाहते हैं।

40 से 800 पहुंचा इस शेयर का भाव, अब स्टॉक स्प्लिट और बोनस इश्यू मिलेंगे एक साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर मार्केट में एक छोटी कंपनी ने अपने शेयरधारकों को बड़ी सौगात दी है। दरअसल, कूल कैप्स इंडस्ट्रीज ने दो बड़े कॉरपोरेट एक्शन, बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट करने की घोषणा कर दी है। इसका फायदा यह होगा कि शेयरधारकों को एक शेयर के बदले 10 स्टॉक मिल जाएंगे।

दरअसल, कूल कैप्स इंडस्ट्रीज ने अपने शेयर की फेस वैल्यू को 10 रुपये से घटाकर 2 रुपये किया, यानी 1ः5 के रेशियो में स्टॉक स्प्लिट हुआ, और 1ः1 के अनुपात में बोनस शेयर दिया है। ऐसे में निवेशकों को एक बदले 10 शेयर मिल जाएंगे। कंपनी ने इसके लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान भी कर दिया है।

क्या है रिकॉर्ड डेट- कूल कैप्स इंडस्ट्रीज ने बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट 4 जुलाई 2025 तय की है, यानी नए निवेशकों के पास इन दोनों लाभ का फायदा उठाने के लिए सिर्फ 4 दिन बाकी है। रिकॉर्ड के दिन (4 जुलाई) को कूल कैप्स इंडस्ट्रीज के शेयर खरीदने पर बोनस शेयर व स्टॉक स्प्लिट का बेनेफिट नहीं मिलेगा।

शेयरों का प्रदर्शन और कंपनी का कारोबार- कूल कैप्स इंडस्ट्रीज के शेयरों ने साल दर साल मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। खास बात है कि जनवरी 2022 में इस कंपनी के शेयर 44 रुपये के लेवल पर कारोबार करते थे और आज इसके एक शेयर की कीमत 813 रुपये हो गई है।

हर साल 60% रिटर्न दे रहा आइसक्रीम बनाने वाली कंपनी का शेयर, 150 से 7000 रुपये तक जा चुका है भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में एक स्टॉक पिछले 5 सालों से लगातार औसत 60त्न रिटर्न देते आ रहा है। खास बात है कि यह किसी बड़ी कंपनी का नहीं, बल्कि एक आइसक्रीम कंपनी का स्टॉक है। इस शेयर का नाम वाडीलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड है, जिसका CAGR 59.39% है यानी इस कंपनी के शेयरों का पिछले 5 साल का औसत रिटर्न 60 फीसदी है।

वाडीलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों का मौजूदा प्राइस 5537 रुपये है। पिछले 6 महीनों में यह शेयर 38 फीसदी रिटर्न डिलीवर कर चुका है। एक वक्त ऐसा भी था जब इस कंपनी के शेयर महज 150 रुपये में मिल रहे थे। इस शेयर का लाइफ टाइम हाई 7398 रुपये है।

मल्टीबैगर रिटर्न- वाडीलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों ने अधिकतम अवधि में 3200 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। जून 2011 में इस कंपनी के शेयरों का भाव 160 रुपये और अब कीमत 5500 रुपये के पार चली गई है। वाडीलाल इंडस्ट्रीज ने मार्च 2025 तिमाही के नतीजे पिछले महीने पेश किए थे। हालांकि, इसमें कंपनी के मुनाफे में गिरावट देखने को मिली। कंपनी का कुल मार्केट कैप 3978 करोड़ रुपये है।

क्या है कंपनी का कारोबार- वाडीलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड मुख्य रूप से आइसक्रीम, फ्रोजन डेसर्ट और प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स बनाती है। भारत में इस ब्रांड की आइसक्रीम बेहद मशहूर हैं। कंपनी भारत में बिक्री के अलावा अपने प्रोडक्ट्स का विदेशों में भी निर्यात करती है। कंपनी का देशभर में स्ट्रॉन्ग डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क है।

8 फीसदी से ज्यादा भागे इस छोटकू कंपनी के शेयर, 14 रुपये भाव, 5 साल में दिया 500 फीसदी रिटर्न

शेयर बाजार गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं दूसरी तरफ रतनइंडिया पावर शेयर के शेयरों में उछाल देखने को मिल रहा है। आज रतनइंडिया कंपनी के शेयर एनएसई पर पिछले बंद 14.39 के मुकाबले लगभग 2% की बढ़त के साथ पर खुले। इसके बाद इसमें लगातार तेजी दिख रही है। दोपहर 2ः18 बजे इस शेयर में 6.60% की बढ़त देखने को मिली। यह 15.34 पर ट्रेड कर रहा था।

भारी वॉल्यूम के साथ आई तेजी- इस तेजी के साथ शेयर में भारी ट्रेडिंग देखने को मिली। एनएसई पर करीब 48,652,996 करोड़ शेयरों का कारोबार हुआ, जो सामान्य से काफी अधिक है। RattanIndia Power का यह शेयर लगातार पांचवें ट्रेडिंग सेशन में तेजी के साथ ट्रेड कर रहा है। फिलहाल यह अपने 5-दिन, 20-दिन, 50-दिन, 100-दिन और 200-दिन की मूविंग एवरेज से ऊपर कारोबार कर रहा है, जो टेक्निकल रूप से इसे मजबूत स्थिति में दिखाता है।

5 साल में दिया 500 फीसदी का रिटर्न- RattanIndia Power बिजली उत्पादन और वितरण के क्षेत्र में सक्रिय है और इसका मार्केट कैप ?8,232.37 करोड़ के करीब है। एक हफ्ते में यह 12.86 फीसदी तक उछल चुका है। हालांकि, पिछले एक साल में इसके शेयरों में 15.25% की गिरावट आई है।

जियो और ब्लैक रॉक का धमाका आ रहा है नया लिक्विड फंड, निवेश का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड से निवेशकों की अच्छी खासी कमाई हो जाती है। अगर आप भी म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए किसी फंड की तलाश में हैं, तो ये खबर आपके लिए है। जियो, ब्लैक रॉक के साथ मिलकर पहला लिक्विड फंड लाने जा रहा है।

कंपनी ने इस बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स से मिली जानकारी के अनुसार जियो के इस नए एनएफओ 30 जून 2025 से 2 जुलाई 2025 तक खुला रहेगा। इस दौरान कोई भी निवेशक इसमें पैसा लगा सकता है।

जियो के लिक्विड फंड के बारे में बेसिक जानकारी- इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार यह एक ओपन एंडेड लिक्विड फंड है। इसका मतलब है कि आप इसमें कभी भी पैसे लगा सकते हैं। खास बात ये हैं कि आप अपनी जरूरत के हिसाब से पैसा निकाल भी सकते हैं। इसका उद्देश्य कम समय में बेहतर और कम रिस्क वाला रिटर्न ऑफर करना है।

इसकी अवधि 91 दिनों की होने वाली है। इस फंड के जरिए कंपनी निवेशकों का पैसा कम जोखिम वाले प्लेटफॉर्म जैसे डेप्ट इंस्ट्रूमेंट्स में लगेगी।

कितना करना होगा निवेश- अगर आप इसमें निवेश करना चाहते हैं, तो 500 रुपये लमसम या 500 रुपये एसआईपी से शुरू कर सकते हैं।

कितना लगेगा चार्ज- अगर आप अलॉटमेंट के पहले दिन ही पैसा निकालते हैं तो आपको 0.0070त्न का एग्जिट लोड चार्ज देना होगा। यह चार्ज हर दिन कम होता रहेगा और सातवें दिन के बाद शून्य यानी जीरो हो जाएगा। हालांकि निवेशकों को सावधानी बदलनी चाहिए क्योंकि यह एक नया फंड हाउस है जिसका फंड मैनेजमेंट का कोई फिलहाल रिकॉर्ड नहीं है। तो निवेश करने से पहले से रजिस्टर्ड फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह जरूर लें।

इसके साथ ही ये फंड कम जोखिम वाले जरूर है, लेकिन ऐसा नहीं है कि इनमें गारंटी रिटर्न मिल रहा हो। इसका रिटर्न बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है।

आनंदराठी ने 40 रुपए से कम के इस शेयर को दी खरीदने की सलाह, एक महीने में 18% तक रिटर्न का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप शेयर मार्केट में इंवेस्टमेंट की तलाश में हैं तो 40 रुपए का ये शेयर आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। हाल ही में इस शेयर की कीमत में गिरावट देखी गई। और यह गिरावट तब हुई, जब शेयर अपने उच्चतम स्तर 44-45 रुपए से नीचे आया। अब यह 40 रुपए के आसपास कारोबार कर रहा है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि शेयर की यह गिरावट निवेशकों के लिए अच्छा मौका हो सकती है।

CIFL का शेयर, बड़े रिटर्न का अनुमान- आनंदराठी इंवेस्टमेंट सर्विसेज़ ने CIFL के शेयर खरीदने की सलाह दी है। आनंदराठी का कहना है कि ये शेयर अगले एक महीने में 18त्न तक का रिटर्न दे सकता है। क्योंकि यह शेयर हाल ही में 61.8त्न फाइबोनैचि रिट्रेसमेंट लेवल पर पहुंचा, जो मासिक सपोर्ट लेवल स1 के करीब है। यह स्तर 38-40 रुपए के बीच है, जहां शेयर को मजबूत आधार मिल सकता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

नशे के लिए 100 रुपये नहीं देने पर पिता की हत्या, आरोपी बेटे को उम्रकैद की सजा

मुरैना। रिश्तों को तार-तार करने वाली खबर में आज अदालत का फैसला आया है। नशे के लिए 100 रुपये नहीं देने पर बेसबाल के डंडे से पीट-पीटकर अपने पिता की हत्या करने वाले नशेड़ी बेटे को जिला कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। दिल दहला देने वाली यह घटना करीब एक साल पहले मुरैना शहर के दत्तपुरा में हुई थी। अब जाकर कोर्ट ने इस मामले पर अपना फैसला सुनाया है।सनकी बेटे ने पिता के हाथ-पैर जलाए

16 मई 2024 को कोतवाली थाना क्षेत्र के दत्तपुरा में रहने वाले रवि प्रताप जाटव से उसके बेटे सुधांशू ने जेब खर्च के लिए 100 रुपये मांगे। सुधांशू नशे का आदी थी, पिता को लगा कि यह पैसे भी नशे के लिए मांग रहा है, इसलिए उसने इंकार कर दिया। इस बाद से गुस्साए सुधांशू ने बेसबाल का डंडा उठाकर पिता के सिर पर चार-पांच वार किए। सिर फटने से रवि प्रताप वहीं गिर गया, इसके बाद सनकी बेटे ने प्रेस से अपने पिता के हाथ-पैर जला दिए।

मां पर भी बेसबाल के डंडे से हमला

पिता की चींख-पुकार सुनकर मां शकुंतला जाटव आई तो सुधांशू ने मां पर भी बेसबाल के डंडे से हमला कर दिया। पिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मां शकुंतला गंभीर घायल हुई। कोर्ट में इस मामले में शासन की ओर से पैरवी करने वाले लोक अभियोजक अधिकारी इंद्र सिंह गुर्जर व संदीप मिश्रा ने बताया, कि जिला न्यायालय के सप्तम अपर न्यायाधीश ने सुधांशू का अपराध गंभीर माना, इसलिए उसे उम्रकैद की सजा व छह हजार रुपये जुर्माने से दण्डित किया है।

2029 में पृथ्वी के पास से गुजरेगा Asteroid Apophis, घटना पर वैज्ञानिकों की नजर

भोपाल। आंचलिक विज्ञान केंद्र भोपाल में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस मनाया गया। इस दिवस का उद्देश्य क्षुद्रग्रहों के कारण पृथ्वी पर संभावित खतरों के बारे में जागरूकता फैलाना और उनसे निपटने के लिए वैश्विक रणनीति के निर्माण की आवश्यकता को रेखांकित करना है। इस अवसर पर केंद्र के क्यूरेटर ई एवं परियोजना समन्वयक साकेत सिंह कौरव ने एस्टेरायड एपोफिस - एक ब्रह्मांडीय मेहमान या हमारी नीली धरती के लिए एक खतरा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।अप्रैल 2029 में पृथ्वी के पास से गुजरेगा केंद्र के क्यूरेटर ई एवं परियोजना समन्वयक साकेत सिंह कौरव ने बताया कि 13 अप्रैल 2029 को क्षुद्रग्रह अपोफिस पृथ्वी के बहुत निकट से गुजरेगा। उन्होंने इस क्षुद्रग्रह से उत्पन्न संभावित खतरे तथा वैज्ञानिकों द्वारा इस आपदा से निपटने के लिए बनाई जा रही रणनीतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

300 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा-कार्यक्रम में करीब 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें छात्र, शिक्षक और आम नागरिक शामिल थे। विविध गतिविधियों से भरपूर इस आयोजन में विज्ञान फिल्म शो प्लेनेटरी डिफेंडर्स, हमारा क्षुद्रग्रह बेल्ट पर कार्यशाला और कैसे एक एस्टेरायड डायनासोर के विलुप्त होने का कारण बना विषय पर रोचक स्टोरी टेलिंग सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर पहली बार क्षुद्रग्रह अपोफिस के छोटे आकार के मॉडल का प्रदर्शन भी किया गया, जो दर्शकों के लिए आकर्षण का विशेष केंद्र रहा।

बीमार बेटी को ठीक करने और संकट का डर दिखाकर परिवार पर बनाया मतांतरण का दबाव

जबलपुर। अधारताल थाना क्षेत्र निवासी एक दंपती पर कुछ लोगों ने मतांतरण का दबाव बनाया। ईसाई मत से प्रार्थना करने पर दंपती की अस्वस्थ बेटी के ठीक होने का झांसा दिया। उन्हें चर्च ले जाकर मत परिवर्तन के लिए प्रेरित किया। मतांतरण नहीं करने पर बेटे और उनके परिवार पर गंभीर संकट आने का भय दिखाया।

इसकी जानकारी बजरंग दल को लगी। जिसका विरोध करते हुए रविवार को प्रदर्शन किया। मतांतरण को लेकर प्रताड़ित किए जा रहे परिवार के सदस्यों को लेकर पुलिस थाना पहुंचे। पुलिस ने मामले में पांच आरोपितों के विरुद्ध धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम और बीएनएस की धाराओं के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध किया है।प्रीति जैन और हरिओम ने मतांतरण के लिए कहा

सुहागी के पटेल नगर निवासी निकिता यादव और राजकुमार यादव की बेटी भूमिका का गत वर्ष स्वास्थ्य खराब हुआ। उसे उपचार के बाद तुरंत राहत नहीं मिली। उसकी प्रीति जैन और हरिओम से पहचान थी। उसने बेटी की बीमारी की समस्या बताई तो प्रीति और हरिओम ने उससे बोला कि यदि वह ईसाई धर्म अपना लेगी तो उसकी बेटी ठीक हो जाएगी। उसे ईशु मसीह की प्रार्थना करने बोला।कहा कि यदि वह ईसाई बनकर प्रार्थना करेगी तो उसकी बेटी स्वस्थ हो जाएगी। उसके बाद दोनों अक्सर उसके घर लगातार आने-जाने लगे। वह एक दवा भी देते थे, जिसमें नशा होने का संदेह है। क्योंकि दवा के सेवन के बाद भूमिका सोती रहती थी।

आभूषण और दो लाख रुपये भी ले लिए-पुलिस को शिकायत में निकिता यादव ने आरोप लगाया है कि मतांतरण के लिए प्रेरित करने के लिए प्रीति और हरिओम के साथ नमिता रैकवार, कविता रैकवार और निकिता रैकवार भी आती थी। इस बीच उन्होंने झांसा देकर धीरे-धीरे उसके आभूषण और लगभग दो लाख रुपये ले लिए। जिसे पांचों मिलकर हड़प कर गए। लालच देकर मतांतरण कराने का आरोपउसने रुपये वापस मांगे तो कुछ दिन पूर्व हरिओम और प्रीति उसके घर पहुंचे। मतांतरण करने पर समस्त कष्ट समाप्त होने की बात कही। उनकी बात नहीं मानने पर जान से मारने की धमकी दिया। तब पीड़िता ने बजरंग दल को जानकारी दिया। बजरंग दल का आरोप है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को दवाइयों, उपचार व पैसों का लालच देकर मतांतरण का प्रयास किया जा रहा है।

वाहन को बचाने के चक्कर में ड्राइवर ने खोया नियंत्रण, बस पलटने से 22 सवारी घायल

सतना। जिले में एक बार फिर बड़ा हादसा होते-होते टल गया। सोमवार की सुबह करीब 11 बजे बिरसिंहपुर से सतना आ रही विजय बस सर्विस की बस अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें करीब 22 लोगों को मामूली चोटें आई है। जबकि इनमें से एक व्यक्ति के सीने में दर्द होने पर सतना जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। इस संबंध में कोठी थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सवारी से लोड बस कोठी रोड स्थित पोड़ी गांव के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। बताया गया है कि सामने से आ रहे चार पहिया वाहन को बचाने के चक्कर में ड्राइवर बस पर नियंत्रण खो दिया और वह पलट गई। गनीमत यह रही कि किसी भी यात्री को गंभीर चोटें नहीं आई है। एक गंभीर व बड़ा हादसा होते-होते टल गया।खिड़की से निकले यात्री

बस पलटने के बाद बस के अंदर सवार यात्री बस की खिड़कियों से बाहर निकले। इस दौरान स्थानीय लोगों ने भी उन्हें बाहर निकालने में मदद करते दिखे। इसी बीच सूचना मिलते ही कोठी थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। सभी घायलों को कोठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया है।

अस्पताल पहुंची राज्यमंत्री-घटना की जानकारी लगते ही रैंगाव विधानसभा से विधायक व राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी भी घायलों को देखने कोठी सामुदायिक केन्द्र पहुंची। जहां श्रीमति बागरी ने सभी घायलों से बातचीत कर उनका स्वास्थ्य जाना और डॉक्टरों को उचित इलाज के निर्देश दिए। दरअसल, राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी कोठी थाना क्षेत्र के अनुसूचित जाति बस्ती नचनौरा से लगना नदी की ओर 4 लाख 80 हजार रुपए लागत से बनाई ग्रेवल रोड का लोकार्पण करने पहुंची थी। उसी दौरान बस हादसा हो गया। जिसकी सूचना मिलते ही राज्यमंत्री कोठी सामुदायिक केन्द्र पहुंच गई।

पदोन्नति नियम को फिर अदालत में चुनौती, 36 प्रतिशत से अधिक पद देने पर विवाद

भोपाल। पदोन्नति नियम का विवाद फिर अदालत पहुंच गया है। अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग को 36 प्रतिशत से अधिक पदों पर पदोन्नति दिए जाने के प्रविधान को चुनौती दी गई है। सामान्य, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संस्था (सपाक्स) से जुड़े पशुपालन एवं डेयरी विभाग और विद्युत मंडल से जुड़े कर्मचारियों ने हाई कोर्ट में नियम के प्रविधानों के विरुद्ध याचिका दायर की है। साथ ही जल्द सुनवाई का आवेदन भी लगाया है।आखिर क्या है पूरा मामला?

सामान्य वर्ग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने पदोन्नति नियम 2002 के आरक्षण संबंधी प्रविधानों के विरोध में हाई कोर्ट जबलपुर में याचिका दायर की थी। वर्ष 2016 में हाई कोर्ट ने नियम को विधि विरुद्ध मानते हुए निरस्त कर दिया था। तब से पदोन्नतियां बंद थीं और कर्मचारी संगठन सरकार पर नए नियम लागू करने को लेकर दबाव बना रहे थे। सरकार ने विधि विशेषज्ञों और कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों से परामर्श करने के बाद नए नियम बनाए लेकिन इसमें भी आरक्षण संबंधी वही सब प्रविधान किए गए जो पहले थे।

अनारक्षित वर्ग के पदों पर पदोन्नति का अवसर आरक्षित वर्ग को 36 प्रतिशत आरक्षण देने के साथ अनारक्षित वर्ग के पदों पर पदोन्नति का अवसर भी दिया। वहीं, पुराने नियम से जो अधिकारी-कर्मचारी पदोन्नत होकर सामान्य वर्ग से आगे हो गए थे, उन्हें पदावनत भी नहीं किया। जबकि, हाई कोर्ट ने पदावनत करने के लिए कहा था। इसके विरुद्ध सरकार उच्चतम न्यायालय चली गई थी और यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए गए थे। तब से न तो पदोन्नतियां हुईं और न ही किसी को पदावनत किया गया।

नए नियम से पदोन्नति की प्रक्रिया प्रारंभ इधर, नए नियम से पदोन्नति की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इसके विरोध में मंत्रालय के सामान्य वर्ग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। अब सपाक्स से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों ने हाई कोर्ट जबलपुर में नए नियम के अनारक्षित वर्ग के पदों पर पदोन्नति का अवसर देने और पुराने नियम से पदोन्नत हुए कर्मचारियों को पदावनत कर फिर पदोन्नति प्रारंभ करने की मांग करते हुए याचिका दायर की है। संस्था के प्रांताध्यक्ष केपीएस तोमर का कहना है कि नए नियम स्वीकार नहीं किए जा सकते हैं।

कम हुआ जाम, रातभर बंद रहेगा रास्ता, कई सड़कों पर डायवर्ट किया ट्रैफिक

इंदौर से देवास रोड पर लग रहे जाम में कुछ राहत जरूर मिली है लेकिन बीच बीच में जाम लगातार लग रहा है। पिछले चार दिन से जाम से जूझ रहे लोगों को आज दिन में रास्ता सुलभ मिला लेकिन शाम होते होते फिर कई बार जाम लगने लगा। इंदौर से देवास के बीच अर्जुन बरोद पर बन रहे ब्रिज के कारण यह जाम लग रहा है। उस हाईवे पर इन दिनों निर्माण कार्य जोरों पर है, जिससे जाम की स्थिति बनी हुई है। खासकर एबी रोड के अर्जुन बरोद से डकाच्या के बीच पुलिया और सड़क निर्माण के चलते कई वाहन जाम में फंस रहे हैं। यह स्थिति आपातकालीन सेवाओं को भी प्रभावित कर रही है, जिससे एम्बुलेंस की आवाजाही में बाधा आ रही है और मरीजों की जान पर बन रही है। इसी को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने रात के समय ट्रैफिक डायवर्ट करने का निर्णय लिया है।

रात 12 से सुबह 7 तक रहेगा डायवर्जन, दिन में खुलेगा मार्ग- शासन और प्रशासन के अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंचकर समस्या का जायजा लिया और ट्रैफिक डायवर्जन को लेकर रणनीति बनाई। तय किया गया कि रात 12 बजे से सुबह 7 बजे तक सर्विस रोड पर निर्माण कार्य किया जाएगा, इस दौरान ट्रैफिक पूरी तरह बंद रहेगा। सुबह होते ही मार्ग दोबारा खोल दिया जाएगा ताकि दिन में यातायात सुचारू रूप से चल सके।

वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग तय, भारी वाहन नेमावर रोड पर डायवर्ट- डीएसपी उमाकांत चौधरी ने जानकारी दी कि रात के समय देवास की ओर जाने वाले वाहनों को एमआर-11 होते हुए देवास नाके से सांवेर रोड की तरफ मोड़ा जाएगा। वहीं, भारी वाहनों को मानपुर में रोककर लेबड़ और गरोठ रोड पर ट्रांसफर किया गया है। फिलहाल इंदौर और आसपास के क्षेत्रों से जाने वाले ट्रकों को नेमावर रोड पर डायवर्ट किया जा रहा है। ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर 25 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

मुंबई से आने वाली गाड़ियों को भी बदला गया मार्ग- गुरुवार दोपहर के बाद मुंबई से आने वाले भारी वाहनों को बदनावर और नेमावर रोड की ओर डायवर्ट कर दिया गया। डीएसपी चौधरी ने बताया कि अर्जुन बरोदा क्षेत्र में सड़क का कार्य जारी है, ऐसे में मुंबई से इंदौर की ओर आने वाले वाहन एमआर-11, देवास नाका और सांवेर रोड होते हुए आगे बढ़ सकते हैं। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वैकल्पिक मार्ग का उपयोग कर सहयोग करें।

बारिश में इंदौर की सड़कों के गड्ढे भी कर रहे ट्रैफिक जाम, खजराना मंदिर पहुंच मार्ग अब भी बदहाल

इंदौर। इंदौर-देवास बाइपास पर हुए ट्रैफिक जाम का हल्ला प्रदेश की राजधानी भोपाल तक मचा, लेकिन इंदौर की सड़कों पर भी रोज हजारों वाहन गुत्थम-गुत्था होते है। बारिश के दिनों में सड़कों पर हुए गड्ढों के कारण वाहन चालक उनसे बचते हुए निकल रहे है और यातायात बाधित हो रहा है। नगर निगम ने पेचवर्क के टेंडर जारी किए है, लेकिन बारिश में पेचवर्क नहीं हो सकता है। इसके चलते वर्षाकाल तक अगस्त माह तक इंदौरवासियों को गड्ढों से दो-चार होना पड़ेगा।

इंदौर में तीन हजार किलोमीटर से ज्यादा लंबाई की सड़कें और गलियां है। ज्यादातर सड़कों पर जलजमाव की समस्या है। इस कारण वहां गड्ढे हो जाते है। इसके अलावा जहां सड़क व अन्य निर्माण हो रहे है। वहां भी वाहन चालकों को गुजरने में परेशानी हो रही है।

खातीवाला टैंक, बाणगंगा, भागीरथपुरा, खजराना सहित कई मार्गो की सड़कों पर गड्ढे हो चुके है। स्कीम-नंबर 134 की गलियों में बाइपास के एमआर-10 जंक्शन के ट्रैफिक को डाइवर्ट किया गया है। वहां भी सड़कें उखड़ चुकी है और दिन में कई बार ट्रैफिक जाम होता है। मच्छी बाजार क्षेत्र में निर्माणाधीन सड़क के कारण भी लोगों को परेशानी हो रही है। खजराना मंदिर पहुंच मार्ग की सर्विस रोड का निर्माण बारिश से पहले होना था, लेकिन अभी तक सड़क नहीं बनी।

शिलांग पुलिस पहुंची रतलाम, सिलोम जेम्स की ससुराल से एक बैग किया जब्त, गहने हो सकते हैं

इंदौर। राजा रघुवंशी हत्याकांड की जांच कर रही शिलांग पुलिस की एसआईटी रविवार को मध्य प्रदेश के रतलाम में पहुंची। एसआईटी आरोपी सिलोम जेम्स, उसकी पत्नी और साली को साथ लेकर मंगलमूर्ति कॉलोनी स्थित मनोज गुप्ता के मकान पर पहुंची। मनोज गुप्ता, सिलोम के ससुर और पेशे से प्रॉपर्टी ब्रोकर हैं। पुलिस की टीम ने यहां करीब एक घंटे छानबीन की और किचन से एक बैग जब्त किया है। सूत्रों के अनुसार, जब्त किए गए बैग में लैपटॉप और सोनम की ज्वेलरी है। जानकारी के अनुसार, एसआईटी रविवार दोपहर इंदौर से सिलोम, उसकी पत्नी और साली को साथ लेकर रतलाम पहुंची थी। यहां सिलोम के ससुर के घर पर तलाशी के दौरान टीम ने एक बैग बरामद किया, जिसमें महत्वपूर्ण सामान मिलने की संभावना है। मीडिया द्वारा पूछे जाने पर अधिकारियों ने कहा कि यह जांच का हिस्सा है, फिलहाल कोई जानकारी साझा नहीं की जा सकती। हालांकि, सूत्रों का दावा है कि बैग में लैपटॉप और सोनम के गहने हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सिंहस्थ को दृष्टिगत बन रही इन्दौर-उज्जैन 6 लेन सड़क नींव का पत्थर साबित होगी - मंत्री श्री सिलावट

इंदौर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सिंहस्थ महापर्व 2028 को ध्यान में रखते हुए इंदौर के लवकुश चौराहा से उज्जैन तक 47 किलोमीटर की 6 लेन सड़क निर्माण कार्य हेतु 625 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई। इस सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। आज इस निर्माणाधीन 6 लेन सड़क का जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ धरमपुरी सांवेर से उज्जैन पंथपिपलई तक अवलोकन किया।

मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट जी ने बताया की सिंहस्थ महापर्व 2028 को ध्यान में रखते हुए इंदौर से उज्जैन तक 47 कि.मी. की 6 लेन सड़क 625 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की जा रही है। श्री सिलावट ने सडक निर्माण एजेंसी रवि इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रायवेट लिमिटेड को निर्देश दिये कि इन्दौर से उज्जैन आवागमन करने वाले नागरिकों को यातायात में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। यह ध्यान रखें कि सड़क में अनावश्यक जाम न लगे। सडक निर्माण कार्य की गति बढायें और इसे दिसंबर 2026 तक पूर्ण करें। सिंहस्थ 2028 में लगभग 25 करोड से भी अधिक श्रद्धालुओं का आवागमन होगा। यह सड़क श्रद्धालुओं के लिए नींव का पत्थर साबित होगी। यह ऐतिहासिक सडक बनने से इन्दौर, उज्जैन-देवास, रतलाम, खण्डवा, धार सहित गुजरात राज्य के सैकडों नागरिकों को लाभ मिलेगा।

राज्यपाल मंगू भाई पटेल का आह्वान

इंदौर। सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग करने में देश के सभी राज्यों में मध्यप्रदेश का नाम प्रथम स्थान पर है। राज्यपाल श्री पटेल का विजन स्पष्ट है कि सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग में संख्यात्मक दृष्टि से प्रथम नहीं बल्कि शत प्रतिशत स्क्रीनिंग करके प्रदेश को सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन प्रदेश बनाना है। राज्यपाल के मार्गदर्शन से उप मुख्यमंत्री द्वारा 19 जून 2025 को विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जनजाति बाहुल्य बड़वानी जिले से 100 दिवसीय सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग एवं जागरूकता अभियान एक जुलाई से प्रारम्भ करने की घोषणा की गई, जिसकी तैयारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश ने पूरी कर ली है। प्रदेश के उन 33 जिलों को दिशानिर्देश भी जारी किये गए है जिनमें सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन संचालित है तथा जिला कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी को भेजे गए है। पत्र में 33 जिले और उनमें प्रतिदिन के हिसाब से 100 दिन में सिकल सेल जांच होने वाले व्यक्तियों का जिलेवार लक्ष्य दिया गया। सौ दिवसीय अभियान को जनजातीय कार्य विभाग, उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, आयुष, महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर पूरा किया जाना है।

राज्य सरकार खिवनी अभयारण्य के प्रभावितों के साथ है :मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने खिवनी अभयारण्य के लिए वन विभाग द्वारा खातेगांव इछावर क्षेत्र में की गई कार्यवाही से प्रभावित क्षेत्र के जनजातीय समुदाय के लोगों के साथ समत्व भवन में भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संवेदनशीलता से शिकायतों और पीड़ा को सुना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्रवाई पर खेद व्यक्त करते हुए, स्थिति का उचित समाधान निकालने, शिकायतों की जांच करवाने, दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्यवाही करने और क्षेत्र के लोगों को सभी शासकीय योजनाओं का लाभ दिलवाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रभावितों के साथ है। यह सुनिश्चित किया जाएगा की बरसात में किसी को कोई तकलीफ ना हो। राहत के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जांएगी।

प्रदेश की औद्योगिक विकास दर को गति देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की कृषि विकास दर के समान औद्योगिक विकास दर को आगे बढ़ाने के लिए के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित है। इसी उद्देश्य से उद्योग व्यापार और निवेश गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में क्षेत्रीय स्तर पर समिट आयोजित करने और देश-विदेश के प्रमुख औद्योगिक व्यापारिक केंद्रों से संपर्क का क्रम जारी है। राज्य सरकार की इस पहल का प्रदेश को लाभ भी मिल रहा है। इसी क्रम में आज सूरत में मध्य प्रदेश में निवेश के अवसरों पर इंटरएक्टिव सेशन÷ रखा गया है। यह आयोजन उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025 अभियान की श्रृंखला में बेंगलुरु के बाद दूसरा बड़ा संवाद है। क्षेत्रीय स्तर पर औद्योगिक समूह से जुड़ाव बढ़ाना और प्रदेश में रोजगार के अवसर सृजित करना तथा निवेश को सुगम बनाना इस अभियान का उद्देश्य है। सूरत देश का प्रमुख औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र है। वहां के उद्योग व्यापार जगत के सहयोग से प्रदेश में निवेश गतिविधियों को प्रोत्साहन मिले, इस उद्देश्य से वहां समिट आयोजित किया गया है।

गेर-संचारी रोगों की रोकथाम के लिए प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में 755 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर गेर-संचारी रोगों की रोकथाम के लिये इंदौर में स्वास्थ्य विभाग और अरविंदो मेडिकल कॉलेज द्वारा प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर आयोजन का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में यूपीएचसी खजराना में प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 755 नागरिकों ने अपना पंजीयन कराया। शिविर में कैंसर, टीबी, हड्डी, हार्ट, लीवर एवं गठिया रोग, दंत रोग, नेत्र रोग आदि से जुड़ी 2700 से अधिक जाँचें की गई। इनमें मुख्य रूप से 135 फाइब्रोस्कैन, 389 एचबी, 389 आरबीएस, 271 एसजीपीटी, 271 एसजीओटी, 271 लिपिड प्रोफाइल, 74 ईको, 96 यूएसजी, 30 मैमोग्राफी, 173 जनरल मेडिसिन, 95 कार्डियोलॉजी, 143 गैस्ट्रोलॉजी, 42 ब्रेस्ट लंप स्क्रीनिंग, 23 ऑर्थोपेडिक, 25 पेपस्मेयर, 64 गायनेकोलॉजी, 12 रूमेटोलॉजी, 42 कैंसर स्क्रीनिंग, 82 डेंटल चेकअप, 193 ऑप्थेलमिक चेकअप आदि हैं। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बताया कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की दिशा में यह आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर का उद्देश्य न केवल आमजन को स्वास्थ्य सुविधा देना है बल्कि उन्हें समय रहते रोगों की पहचान रोकथाम में भी मदद पहुंचाना है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

जलगंगा संवर्धन अभियान में नगर निगम उज्जैन को प्रथम आने पर मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया

निगम अध्यक्ष की उपस्थिति में निगम मुख्यालय में किया गया कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

उज्जैन। जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर जिला खंडवा में आयोजित मुख्य समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 नगरीय निकायों को मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी द्वारा पुरस्कृत किया गया जिसके क्रम में 1 लाख से 10 लाख तक की आबादी वाले शहरों में उज्जैन नगर निगम के प्रथम आने एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न घटकों में सराहनीय कार्य करने पर सम्मानित किया गया। पुरस्कार महापौर श्री मुकेश टटवाल एवं निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा ग्रहण किया गया।

जनगंगा अभियान में उज्जैन नगर निगम को 1 लाख से 10 लाख तक की आबादी वाले शहरों में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण नगर निगम मुख्यालय स्थिति अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह में निगम आयुक्त श्रीमती कलावती यादव के मुख्य आतिथ्य एवं एमआईसी सदस्य श्रीमती श्रीमती दुर्गा शक्ति सिंह चौधरी, श्री शिवेंद्र तिवारी, जोन अध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास, पार्षद श्री हेमंत गहलोत, श्री गजेंद्र हिरवे, श्री गब्बर भाटी, अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह, अपर आयुक्त वित्त श्री पुनीत शुक्ला उपायुक्त श्री योगेंद्र सिंह पटेल, श्री मनोज मौर्य, श्री संजेश गुप्ता की उपस्थिति में किया गया।

खण्डवा में आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम उज्जैन को पुरस्कार प्राप्त होने पर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव द्वारा समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों को बधाई दी गई।

इस दौरान सहायक आयुक्त श्री प्रदीप सेन, श्री राघवेंद्र सिंह पलिया, श्री रविकांत मगरदे, श्री घनश्याम मेचार, श्री प्रवीण मुकाती, श्री पवन कुमार फुलफकीर, जनसम्पर्क अधिकारी श्री पवन कुमार एवं नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

टेन्डर प्रक्रिया निरस्त हो, हाकर झोन में पथ विक्रेताओं को ही आवंटित की जाए

उज्जैन। भाजपा की सरकार में 2014 में कानून पास हो जाने के बावजूद कानून का पालन ना करते हुए पथ विक्रेताओं के साथ अन्याय किया जा रहा है। महाकाल मंदिर परिक्षेत्र से छोटा मोटा रोजगार कर जीवन यापन करने वालो को नगर निगम से वेडिंग प्रमाण पत्र जारी होने पर भी अवैध गुमटियां के नाम पर हाथ ठेलों को हटाने की कार्यवाही की जा रही है।

जिसके विरोध में हाथ-ठेला एवं फुटपाथ व्यापारी संघ द्वारा सभापति कलावती यादव, संभागायुक्त संजय गुप्ता, कलेक्टर रोशनसिंह, नगर निगम कमिश्नर के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि स्मार्ट सिटी द्वारा बने हाकर झोन में बने कानून 2014 के अनुसार पथ विक्रेताओं को ही आवंटित की जावे, टेन्डर प्रक्रिया निरस्त की जावे।

संघ के संजयसिंह चौहान ने बताया कि उज्जैन नगर निगम आयुक्त आशीष पाठक के मनमाने निर्देश से कानून हनन किया जा रहा है। कानून 2014 के अनुसार पथ विक्रेता का समान जब्त करना अवैधनिक कार्यवाही है। जबकी कानून अनुसार 30 दिन पहले नोटीस एवं टीवीसी कमेटी का सिफारिश पत्र बिना कि गई कार्यवाही अवैध है।

जब तक सभी पथ विक्रेताओं का सर्व नहीं हो जाता तब तक उन्हें हटाने की कार्रवाई नहीं की जा सकती है फिर भी पद का दुरुपयोग करते हुए कानून को ना मानते हुए नगर निगम आयुक्त अशीष पाठक द्वारा पथ विक्रेताओं पर आए दिन रोजगार बंद कर समान जप्ती की कार्यवाही गलत है। आयुक्त नगर निगम टीवीसी कमेटी के अध्यक्ष है और उनके निर्देशों के बाद पथ विक्रेताओं के साथ पूरे उज्जैन शहर में अन्याय किया जा रहा है इसे रोकने और सर्वे कराए जाने सहित 2020 में किए गए सर्वे के अनुसार जारी वेडिंग प्रमाण पत्रों को रिनुअल करने की मांग हाथ ठेला एवं फुटपाथ व्यापारी संघ संम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ नेशनल हार्कर फेडरेशन ने की।

ऊपरवाले की जब मोटर चल जाए, समझो बरसात है

उज्जैन। ऊपरवाले की जब मोटर चल जाए, पानी की टंकी अपने आप भर जाए, बस, समझो बरसात है /मन हवा में झूला झूलने लगे/दरवाजे- खिड़की अपने आप फूलने लगे/समझो बरसात है। सरल काव्यांजलि की मासिक गोष्ठी में कवि संतोष सुपेकर ने जब उक्त पंक्तियां पढ़ीं तो माहौल पावस मय हो गया। जानकारी देते हुए संस्था के राजेन्द्र देवधरे दर्पण ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अभिभाषक बार काउंसिल उज्जैन के पूर्व अध्यक्ष पंडित योगेश व्यास ने कहा कि युवाओं से सब जान देने की बात क्यों करते हैं।

क्रांतिकारी सामाजिक नवाचार की और अग्रसर होने को तत्पर खण्डेलवाल समाज

उज्जैन। खण्डेलवाल वैश्य पंचायत की वार्षिक साधारण सभा नियमानुसार पूर्व सूचना अनुरूप 29 जून रविवार को शाम 4:30 बजे से खण्डेलवाल वैश्य पंचायत भवन, बुधवारिया में आयोजित की गई।

सर्वप्रथम भवन स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में आरती हुई, जिसके बाद सचिव अनिल सामरिया के द्वारा गत वार्षिक साधारण सभा की कार्यवाही एवं वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद कोषाध्यक्ष गुलशन नाटाणी के द्वारा पूर्व वित्तीय वर्ष का अंकेक्षक द्वारा प्रमाणित ऑडिट प्रस्तुत किया गया एवं संपन्न वित्तीय वर्ष के आय व्यय की जानकारी प्रस्तुत की गई। साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष हेतु 1 करोड से अधिक के बजट का प्रस्ताव सदन में प्रस्तुत किया गया। बजट पर चर्चा के साथ ही गत वित्तीय वर्ष में ली गई भूमि एवं वर्तमान भवन में निर्माण कार्यों पर चर्चा हुई, जिसमें धर्मेन्द्र गुप्ता आदि ने अपने विचार रखे। किशोर खंडेलवाल ने सोलर पैनल लगवाने का प्रस्ताव रखा। वैधानिक एवं आर्थिक विषयों पर चर्चा के अतिरिक्त सामाजिक विषयों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए।

आउटसोर्स कर्मचारी के लिए सरकार जल्द निकालेगी स्थाईकरण के रास्ते- सुल्तान सिंह शेखावत

उज्जैन। जल्द सरकार आउटसोर्स कर्मचारी को लेकर शासन के विभागों में एवं जहां पर ठेका कर्मचारी के रूप में कार्य कर रहे हैं आउटसोर्स कर्मचारी के स्थाईकरण के लिए रास्ते निकलेगी और आउटसोर्स कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित करेगी, श्रम विभाग का आदेश जारी होने के बाद जिन संस्थाओं में अभी भी न्यूनतम वेतन एवं एरियर की राशि नहीं मिली है। उन श्रमिकों को भारतीय मजदूर संघ हर स्थिति में इसका लाभ दिलाएगा। अनेक संस्थाओं में भारतीय मजदूर संघ के द्वारा कर्मचारियों को इसका लाभ दिलाया गया है।

यह बात पूर्व कैबिनेट मंत्री सुल्तान सिंह शेखावत ने भारतीय मजदूर संघ के स्वर्णिम 70 वर्ष होने पर ठेकेदार श्रमिक संघ द्वारा आयोजित श्रम सम्मेलन में संबोधित करते हुए कही। बीएमएस के जिला मीडिया प्रभारी गुलशन मंसूरी ने बताया कि 23 जुलाई 2025 को भारतीय मजदूर संघ के 70 वर्ष पूर्ण होने वाले हैं जिसे भारतीय मजदूर संघ द्वारा पूरे देश में उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। जिसके तहत उज्जैन, नागदा में भव्य आयोजन कर स्थापना दिवस का कार्यक्रम किया जाएगा।

प्रदेश के लिए सदानीरा है, जल गंगा संवर्धन अभियान – डॉ. हरीशकुमार सिंह

पहले की राज्य सरकारों की कागजी योजनाओं की बजाय इस जल गंगा संवर्धन अभियान को जमीन पर उतारा

उज्जैन। बेहतर और प्रभावी जल प्रबंधन के लिए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान का आयोजन किया और इस अभियान से पूरे प्रदेश को जोड़ा। पहले की राज्य सरकारों की कागजी योजनाओं की बजाय इस जल गंगा संवर्धन अभियान को जमीन पर उतारा और अभियान की गति और सफलता पर पूरी नजर रखी।

यह बात डॉ. हरीशकुमार सिंह ने कही। डॉ. हरीशकुमार सिंह ने कहा कि अभियान का आयोजन 30 जून तक था जिससे प्रदेश में वर्षा से पहले, जल को रोकने के समस्त उपाय किये जा सकें और भूजल का स्तर बढ़ाया जा सके। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान को मुख्यमंत्रीजी ने जनआंदोलन बना दिया और जिले के कलेक्टर, वन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, प्रदेश के जलदूत, जनप्रतिनिधियों ने मिलकर खेत - तालाबों से लेकर ऐतिहासिक बावड़ियों तक जल संरक्षण के लिए व्यापक कार्य ऐतिहासिक बावडियों के जीर्णोद्धार के लिए किये गये। प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए प्रभावी कार्य किए गए जिनमें कुँओं का रिचार्ज, झिरियाँ, स्टॉप डेम, वन्य जीव सरंक्षण आदि सम्मिलित हैं। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के जनजातीय परिवारों को भी इस अभियान से जोड़ा जाकर जल और जंगल के बचाव और समृद्धि के प्रयास किये गये हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रदेश की नदियों का गौरव और अस्मिता को लौटाना है जिससे नदियाँ फिर से और प्रवाहमान और सिंचाई के लिए तैयार हो सकें। राजधानी भोपाल में जनजागरण और चेतना के लिए सदानीरा जैसे सांस्कृतिक आयोजन भी राज्य सरकार ने करवाए जिससे ये अभियान, आन्दोलन बन सके। आगामी बारिश में सात करोड़ से अधिक पौध रोपण की भी तैयारी है।

डॉ. हरीशकुमार सिंह के अनुसार जल गंगा संवर्धन अभियान की महत्ता और सफलता के लिए सिर्फ एक उदाहरण है कि मध्यप्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में चिंतामण गणेश मंदिर स्थित प्राचीन लक्ष्मण बावड़ी एक अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पौराणिक स्थल है। इस बावड़ी का उल्लेख कई प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। इसके जल को पवित्र और चमत्कारी माना जाता रहा है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की दूरदर्शी सोच के जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत किए गए भागीरथी प्रयासों से आज यह प्राचीन बावड़ी फिर से अपने पौराणिक स्वरूप में लौट आई है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com